प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013–14
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – बारहवीं
सेट–डी

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति दिये गये विकल्पों में से उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

1. सूर के काव्य की भाषा.................है।

   (ब्रज / अवधी)

2. कविवर रहीम को............उपाधि से सम्मानित किया गया था।

   (अब्दुर्रहीम / खानखाना)

3. कस्तुरबा का निधन...........में हुआ था।

(पोरबंदर / आगाखां के महल में)

4. अज्ञान का पुत्र...............होता है।

(अहंकार / मूर्खता)

5. 'रवीन्द्र' शब्द ....संधि का उदाहरण है।

(स्वर / व्यंजन)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प का चयन कर लिखिए –

(1) 'माँ' कविता के रचयिता है –

(अ) जयशंकर प्रसाद (ब) सुमित्रानंदन पंत

(स) निराला (द) बालकवि बैरागी

(2) छत्रसाल की बरछी की तुलना की गई है –

(अ) नागिन से (ब) काल से

(स) म्यान से (द) मछली से

(3) शून्य के अविष्कार का श्रेय जाता है –

(अ) अमेरिका को (ब) ब्रिटेन को

(स) भारत को (द) चीन को

(4) 'प्रतिमास' शब्द उदाहरण है –

(अ) अव्ययी भाव (ब) तत्पुरूष

(स) कर्मधारय (द) द्विगु

(5) रचना की दृष्टि से वाक्य के प्रकार है –

(अ) तीन (ब) आठ

(स) चार (द) छः

प्रश्न 3. स्तंभ ''क'' से ''ख'' का मिलान कर सही जोड़ी बनाइए –

	क	–	**ख**
(1)	रीतिकाल	–	उदयशंकर भट्ट

(2)	बाबू गुलाबराय	–	मुहावरा
(3)	बीमार का इलाज	–	उपसर्ग
(4)	मात देना	–	निबंधकार
(5)	अधिकार	–	श्रृंगार

प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों से सत्य/असत्य छांटकर लिखिए –

1. 'जागो फिर एक बार' कविता के रचयिता सूर्यकांत त्रिपाठी निराला है।
2. बल में देवत्व का निवास है।
3. डॉ. नानकचंद होम्योपैथी चिकित्सक है।
4. 'यह वही आदमी है, जैसे हमने देखा है' मिश्र वाक्य है।
5. अनेकार्थी शब्दों को पर्यायवाची शब्द कहते है।

प्रश्न 5. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए –

1. रहीम ने किस जल को श्रेष्ठ बताया है?
2. सिंधु–नद–तीरवासी' किसे कहा गया है?
3. 'ठेस' कहानी के प्रमुख पात्र का नाम लिखिए।
4. सम्राट अकबर ने किन वीरों का सम्मान किया था?
5. 'माता–पिता' शब्द किस समास का उदाहरण है?

प्रश्न 6. लेखक ने किन परिस्थितियों में स्वयं का नारायण कहा है?

अथवा

शिक्षा के क्षेत्र में कौन–कौन से आचार्य प्रसिद्ध हुए है?

प्रश्न 7. पार्वती का नाम कन्याकुमारी क्यों पड़ा?

अथवा

रोगग्रस्त महिला को देखकर डॉक्टर की आंख में चमक सी क्यों आ गई?

प्रश्न 8. आचार्य रामन्द्र शुक्ल के अनुसार निबंध की परिभाषा लिखते हुए शुक्ल युग के दो निबंधकारों के नाम लिखिए।

अथवा

व्यास और समास शैली में अंतर स्पष्ट कीजिए।

प्रश्न 9. निबंध साहित्य के विकासक्रम को कितने भागों में विभाजित किया गया है? भारतेन्दु युग के दो निबंधकारों के नाम लिखिए।

अथवा

सरस्वती पत्रिका के सम्पादक कौन थे? द्विवेदी युग के दो निबंधकारों के नाम एवं उनकी एक–एक रचना लिखिए।

प्रश्न 10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए–

(1) नाकों चने चबाना

(2) पहाड़ टूट पड़ना

(3) बाल–बाल बचना

(4) कमर कसना

अथवा

निम्नलिखित शब्दों के दो–दो पर्यायवाची शब्द लिखिए।

पृथ्वी, वायु, चन्द्रमा।

प्रश्न 11. निम्नलिखित में से किन्हीं दो वाक्यों को शुद्ध करके लिखिए।

(1) उसे मृत्युदण्ड की सजा मिली।

(2) रविवार के दिन छुट्टी रहती है।

(3) एक चाय का प्याला लाओ।

अथवा

निम्नलिखित के समास विग्रह कर उसके नाम लिखिए। कोई–दो।

1. मंत्रीपुत्र
2. छोटा–बड़ा
3. पंचवटी

प्रश्न 12. निम्नलिखित में से किन्हीं दो भिन्नार्थक शब्दों को अलग–अलग अर्थों में प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइये।

(1) कुल–कूल

(2) लक्ष्य–लक्ष

(3) सुत–सूत

अथवा

निम्नलिखित शब्द युग्मों का अलग–अलग अर्थों में प्रयोग करते हुए वाक्य बनाइये। कोई–दो

1. अन्न–अन्य
2. ओर–और
3. पवन–पावन

प्रश्न 13. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार कोई दो वाक्य परिवर्तित कीजिए।

(1) आपको चुप रहना चाहिए।

(आज्ञावाचक वाक्य)

(2) तुम परिश्रम करो और परीक्षा में सफल हो जाओ।

(सरल वाक्य)

(3) बालक रो रो कर चुप हो गया।

(संयुक्त वाक्य)

अथवा

निम्नलिखित शब्दों के विलोम शब्द लिखिए। कोई–दो

ज्ञानी, दुर्लभ, उत्थान, सक्षम, एक

प्रश्न 14. निम्नलिखित अवतरणों में से किसी एक का भाव पल्लवन कीजिए।

(अ) उगता हुआ वृक्ष उभरते हुए राष्ट्र का प्रतीक है।

(ब) जहां चाह है, वहां राह है।

अथवा

लोकोक्ति और मुहावरे में कोई दो अंतर लिखिए।

प्रश्न 15. निम्नलिखित में से किन्ही दो का समास विग्रह करते हुए समास का नाम लिखिए।

1. राजपुत्र
2. नीलकमल
3. दशानन
4. नीलकंठ
5. चौपाटी,
6. रसोई घर

अथवा

तत्सम शब्द किसे कहते है? उदाहरण सहित लिखिए।

प्रश्न 16. मेष माता तप्त आंसू क्यों बहाती है?

अथवा

गोचारण हेतु जाने के लिए कृष्ण क्या तर्क देते है?

प्रश्न 17. कवि ने हिमालय से हमारे क्या संबंध बताए है? उनमें से किन्हीं तीन का उल्लेख कीजिए।

अथवा

यशोधरा की निजी व्यथा लोक व्यथा क्यों बन गई?

प्रश्न 18. उल्टेबास बरेली को कवि ने किस संदर्भ में कहा है?

अथवा

कवि रहीम मोतियों के हार के माध्यम से क्या संदेश देना चाहते है?

प्रश्न 19. लोगों की सिरचन के प्रति क्या धारणा थी?

अथवा

डॉक्टर ने महिला को पत्र में क्या लिखा?

प्रश्न 20. परिवार के सदस्यों में इलाज के संबंध में हुए विवाद का विनोद पर क्या प्रभाव पड़ा?

अथवा

दुनिया में कौन सी दो अमोघ शक्तियां मानी गई है? कस्तुरबा की निष्ठा किसमें अधिक थी?

प्रश्न 21. अखबार में जबलपुर की कौन सी घटना छपी थी?

अथवा

आन्ध्रवासियों का रहन–सहन कैसा है?

प्रश्न 22. 'हम कहां जा रहे' कविता के माध्यम से कवि क्या संदेश देना चाहता है?

अथवा

'जागो फिर एक बार में' सांस्कृतिक चेतना का उन्मेष क्यों किया गया है?

प्रश्न 23. 'पुस्तक' नामक निबंध के आधार पर समझाइये कि पुस्तकें किन षड़यंत्रों की शिकार होती है?

अथवा

बल और बुद्धि में पारस्परिक संबंध है, उदाहरण सहित समझाइये।

प्रश्न 24. निम्नांकित पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए।

मैं धरा का धैर्य हूॅ,
ज्योति हूॅ मैं ही गगन की,
अग्नि की मैं ही लपट हूॅ,
तीव्र गति हूॅ मैं पवन की,
नीर का गंभीर स्वर हूॅ,
वत्सला हूॅ बन्दना हूॅ,
मैं जननि हूॅ जन्मदात्री,
विश्व की शुभकामना हूॅ।

अथवा

बसि कुसंग चाहत कुसल, यह रहीम जिय सोस।
महिमा घाटी समुद्र की, रावण वस्यो परोस।।

प्रश्न 25. निम्नांकित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिये प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

प्रायः ऐसा देखा गया है कि अधिकांश लोग बहुमूल्य समय को व्यर्थ ही व्यतीत कर देते हैं। बाद में जीवन भर पश्चाताप करते रहते है। परंतु तब वहीं बात हो

जाती है कि ''अब पछताए होत क्या, जब चिड़िया चुग गई खेते।'' आज हम जितना समय व्यर्थ की बातों में नष्ट कर देते हैं उसका थोड़ा सा भी उपयोग करना सीख जाएं तो जीवन में बहुत सी सफलताएं प्राप्त कर सकते है। प्रत्येक सुंदर क्षण हमारे लिए सुंदर वस्तुएं लेकर आता है, किन्तु हम उसका लाभ नहीं उठाते है।

प्रश्न 1. जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए क्या आवश्यक है?

प्रश्न 2. प्रत्येक सुदंर क्षण हमारे लिये क्या लेकर आता है?

प्रश्न 3. उपरोक्त पद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 4. गद्यांश का सारांश लिखिए।

प्रश्न 26. निम्नांकित पद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

हम दीवानों की क्या हस्ती,
हैं आज यहां, कल वहां चले।
मस्ती का आलम साथ चला,
हम धूल उड़ाते जहां चले।
आए बनकर उल्लास अभी,
आंसू बनकर बह चले अभी।
सब कहते ही रह गए अरे,
तुम कैसे आए, कहां चले?

प्रश्न 1. दीवानों की क्या विशेषताएं है?

प्रश्न 2. मस्ती का आलम कब साथ चलता है?

प्रश्न 3. पद्यांश का उपयुक्त शीर्षक लिखिए।

प्रश्न 4. पद्यांश का सारांश लिखिए।

प्रश्न 27. शाला छोड़ने का प्रमाण पत्र प्राप्त करने हेतु प्राचार्य महोदय को एक आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

परीक्षा में प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण होने पर अपनेमित्र को एक बधाई पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200—250 शब्दों में निबंध लिखिए।

1. पर्यावरण प्रदूषण : कारण और निदान।
2. विज्ञान के बढ़ते चरण।
3. जीवन में समय का महत्व।
4. बेटी बचाओं अभियान।
5. किसी यात्रा का वर्णन।

(ब) उपरोक्त शेष बचे निबंध में से किसी एक निबंध की रूपरेखा लिखिए।

— — — — — —

आदर्श उत्तर
विषय – सामान्य हिन्दी
कक्षा – बारहवीं

वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर –

उत्तर 1. रिक्त स्थान –

1. ब्रज।
2. खानखाना।
3. आगा खां के महल में।
4. अहंकार।
5. स्वर।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन –

(1) बालकवि बैरागी

(2) नागिन से

(3) भारत को

(4) अव्ययी भाव

(5) तीन

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 3. सही जोडियां –

	क	**–**	**ख**
(1)	रीतिकाल	–	श्रृंगार
(2)	बाबू गुलाबराय	–	निबंधकार
(3)	बीमार का इलाज	–	उदयशंकर भट्ट

(4) मात देना – मुहावरा

(5) अधिकार – उपसर्ग

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 4. सत्य/असत्य का चयन–

(1) सत्य।

(2) असत्य।

(3) सत्य।

(4) सत्य।

(5) असत्य।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर –

1. रहीम ने कुएं के जल को श्रेष्ठ बताया है।
2. भारतवासियों को सिंधु–नद–तीरवासी' कहा गया है।
3. 'ठेस' कहानी के प्रमुख पात्र का नाम सिरचन है।
4. सम्राट अकबर ने जयमल और वीर शिरोमणि फत्ता का सम्मान किया था।
5. 'माता–पिता' शब्द द्वन्द्व समास का उदाहरण है।

5 सही हल करने पर 5 अंक प्राप्त होंगे 1+1+1+1+1=5

उत्तर 6. जो जल में वास करता है, वह नारायण है। बाढ़ के पानी के कारण लेखक चारों तरफ से पानी में वास करना पड़ रहा था। अतः वह स्वयं को नारायण समझने लगे।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

शिक्षा के क्षेत्र में कौटिल्य, पाणिनी, जीवक अभिनवगुप्त और पतंजलि जैसे आचार्य प्रसिद्ध हुए।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. विवाह के समय शिवजी के न आ पाने के कारण पार्वती उदास होकर अपने निवास स्थान पर वापस आ गई। जिससे उस स्थान का नाम कन्याकुमारी पड़ा।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रोगग्रस्त महिला कोई और नहीं बल्कि वह थी जिसने बालक को पानी मांगने पर दूध का गिलास दिया था। दूध का कर्ज चुकाने का अवसर पाकर डॉक्टर की आंखे चमक उठी।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. आचार्य शुक्ल के अनुसार निबंध की परिभाषा– ''यदि गद्य कवियों या लेखकों की कसौटी है, तो निबंध गद्य की कसौटी है।''

शुक्ल युग के दो प्रमुख निबंधकार –

1. बाबू गुलाबराय
2. आचार्य रामचंद शुक्ल

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

व्यास शैली– इसका अर्थ 'विस्तार' से हे। इसमें विषय का प्रतिपादन सरल और रोचक ढंग से होता है। इसमें सरलता, स्वाभाविकता और स्पष्टता होती है। कथात्मक और वर्णनात्मक निबंध इसी शैली में लिखे जाते है।

समास शैली– इसका अर्थ होता है 'संक्षिप्त'। इसका उपयोग विचारात्मक निबंध लिखने में होता है। इसमें कम शब्दों में अधिक से अधिक बात कहने का प्रयास किया जाता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. निबंध के विकासक्रम को निम्नलिखित चार भागों में विभाजित किया गया –

1. भारतेन्दु युग।
2. द्विवेदी युग।
3. शुक्ल युग।
4. शुक्लोत्तर युग।

भारतेन्दु युग के दो प्रमुख निबंधकार निम्नलिखित है –

1. प्रताप नारायण मिश्र।
2. बालकृष्ण भट्ट।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

सरस्वती पत्रिका के संपादक आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी जी थे। द्विवेदी युग के दो प्रमुख निबंधकार निम्नलिखित है –

1. अध्यापक पूर्ण सिंह – सच्ची वीरता, मजदूरी और प्रेम
2. बाबू श्याम सुन्दर दास – गद्य कुसुमावली, साहित्य लोचन

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. मुहावरों का अर्थ :–

1. नाकों चने चबाना – तंग करना।

   वाक्य– सीमा ने उधार के रूपये चुकाने में मुझे नाकों चने चबा दिए।
2. बाल बाल बचना – साफ बच जाना।

वाक्य– आतंकवादियों द्वारा किए गए बम विस्फोट में लोग बाल–बाल बच गए।

अथवा

पृथ्वी – वंसुधरा, भूमि

वायु – समीर, हवा

चन्द्रमा– शशि, मयंक

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. वाक्यों का शुद्ध रूप :–

1. उसे मृत्युदण्ड मिला।
2. रविवार को छुट्‌टी रहती है।
3. चाय का एक प्याला लाओ।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

समास विग्रह –

1. मंत्रीपुत्र	–	मंत्री का पुत्र	तत्पुरूष समास
2. छोटा–बड़ा	–	छोटा और बड़ा	द्वन्द समास
3. पंचवटी	–	पांच वट वृक्षों का समूह	द्विगु समास

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. भिन्नार्थक शब्दों का अर्थ एवं वाक्य :–

1. कुल – वंश/परिवार।

   वाक्य– वह अच्छा कुल का बालक है।

   कूल – किनारा

   वाक्य– कृष्ण यमुना के कुल पर विचरण करते थे।

2. लक्ष्य – निशाना

वाक्य– अर्जुन का लक्ष्य मछली की आंख था।

लक्ष – लाख

वाक्य– मंत्र साधना में सवा लक्ष मंत्र के जाप का महत्व उत्तम होता है।

3. सुत – बेटा

वाक्य– कण्र कुन्ती सुत के नाम से जाने जाते थे।

सूत – धागा/सारथी

वाक्य– गांधीजी ने स्वाधीनता आंदोलन के दौरान लोगों को सूत काटने की प्रेरणा दी थी।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भिन्नार्थक शब्द –

1. अन्न–धान्य – पृथ्वी अन्न से परिपूर्ण है।
   अन्य–दूसरा – गंगा का अन्य नाम भागीरथी है।
2. ओर–दिशा – श्याम पूर्व की ओर गया।
   और–अन्य – राम और श्याम घूमने गये।
3. पवन–हवा – पवन में पत्ते हिल रहे है।
   पावन–पवित्र – मंदिर में पावन मन से जाना चाहिए।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. निर्देशानुसार वाक्य परिवर्तन :–

1. आप चुप रहिए।
2. तुम परिश्रम करके परीक्षा में सफल हो जाओ।
3. बालक रोता रहा और चुप हो गया।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

ज्ञानी – अज्ञानी

दुर्लभ – सुलभ

उत्थान – पतन

सक्षम – अक्षम

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. भाव पल्लवन –

(अ) हरे भरे वनों वाला देश समृद्ध होने के साथ–साथ सुंदर भी माना जाता है। वन शोभा का भंडार है। वृक्ष मानव का जीवन है। वृक्ष है तो जल है और जल है तो कल है। इसी संदर्भ में भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पं. नेहरू ने भी कहा था कि – ''उगता हुआ वृक्ष उभरते हुए राष्ट्र का प्रतीक है।'' ऐसे में वृक्षों की रक्षा करना हमारा मानवीय धर्म तो है ही साथ ही हमारी राष्ट्रीयता भी है।

(ब) संसार का इतिहास उन थोड़े व्यक्तियों का इतिहास है जिनके मन में कुछ कर गुजरने की चाह थी। जिनके मन में किसी भी कार्य के लिए इच्छाशक्ति मजबूत हो, उसके लिए किसी भी प्रकार की दुविधा नहीं आती है। परेशानियों का रोना वे ही रोते हैं जो कुछ करना नहीं चाहते है।

जिस तरह से बहती हुई नदी अपना रास्ता खुद ढूंढ लेती है उसी तरह से जिनके मन में चाह होती है उनकी हर राह आसान हो जाती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

मुहावरा एवं लोकोक्ति में अंतर –

क्र.	मुहावरा	लोकोक्ति
1	मुहावरा अपने अर्थ से भिन्न कोई विशेष अर्थ को प्रकट करता है।	लोकोक्ति का अर्थ किसी के द्वारा कही गई बात होती है।
2	मुहावरे भाषा में श्रृंगार करने का कार्य करते है।	लोकोक्ति केवल कहावत के रूप में प्रयोग होती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. समास–

1. राजपुत्र – राजा का पुत्र – तत्पुरूष समास
2. नीलकमल – नीला है जो कमल– कर्मधारय समास
3. दसानन – दस है जिसके आनन अर्थात रावण– बहुब्रीहि समास
4. नीलकंठ – नीला है जिसका कंठ अर्थात शिव– बहुब्रीहि समास
5. चौपाटी – चार पाटों का सहाहार – द्विगु समास
6. रसोईघर – रसोई के लिए घर – तत्पुरूष समास

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

जो शब्द अपरिवर्तित रूप में संस्कृत से लिये गये है अथवा संस्कृत भाषा के ऐसे शब्द जो बिना परिवर्तन के हिन्दी में प्रयुक्त हो रहे है। तत्सम शब्द कहलाते है। जैसे– चन्द्र, भूमि आदि।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. मेष माता निर्बल होती है। उसकी संतान जब उससे छिनी जाती है, तो वह चुपचाप देखती रह जाती है। कारण उसके नाखून भी तीखे नहीं होते है, न ही सिंग पैने होते हैं। इस कारण अपनी निर्बलता जन्म पर दुःखी होकर तप्त आंसू बहाती है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गोचारण हेतु जाने के लिए कृष्ण माता यशोदा को तर्क देते हुए कहते है कि हे माता! मैं आपकी सौगंध खाकर कहता हूॅ कि वन में न तो गर्मी लगेगी और न ही भूख प्यास सताएगी। इसलिए मैं गोचारण के लिए जरूर जाऊंगा।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17.

1. हिमालय की अडिगता को भारतीयों ने आत्मसात किया है।
2. हिमालय से तूफान रोकने की प्रेरणा भारतीय सैनिक लेते है।
3. हिमालय भारत के प्राकृतिक सौन्दर्य का प्रतीक है। पर्वत पर प्रभात और संध्या की लालिमा समान होती है इसी तरह भारतवासी भी सुख–दुख को समान भाव से ग्रहण करते हैं।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गौतम बुद्ध ने लोक मंगल के लिए साधना का पथ अपनाया था। यशोधरा की सखियां, सम्पूर्ण प्रकृति यशोधरा की करूणा एवं व्यथा में सहभागी थी। यही कारण है कि यशोधरा की निजी व्यथा लोक व्यथा बन गई थी।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. विदेशियों ने हमारी योग साधना, धर्म और नीति की वर्षों पूर्व चोरी की थी। आज वे इन्हें और नया नाम देकर हमें सिखलाने की कोशिश कर रहे हैं। हमारी सभ्यता और संस्कृति की चोरी करना और नए कलेवर में उन्हें हमें वापस करने के संदर्भ में कवि ने उल्टे बांस बरेली मुहावरे के रूप में प्रयोग किया है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रहीम के अनुसार कीमती मोतियों का हार टूट जाता है तो उसे पुनः दूसरे धागे में गूंथकर पहन लिया जाता है। उसी प्रकार जो अपने है, जो सज्जन है यदि उनसे किसी कारण वश संबंध टूट जाता है तो उन्हें हर संभव प्रयास करके अपना लेना चाहिए क्योंकि ये भी अनमोल होते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. सिरचन के बारे में लोगों की यह धारणा थी कि वह कामचोर है, निकम्मा है। लोग उसे खेत खलिहान में मजदूरी के लिए नहीं बुलाते थे। उसे आलसी और बेगार करने वाला समझते थे। तमाम बुराइयों के बावजूद लोग उसे उच्च कोटि का कारीगर, दस्तकार एवं कलाकार भी मानते थे। कुछ लोग सिरचन को बातूनी और पेटू भी मानते थे।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

महिला ने अस्पताल के स्टाफ से भुगतान के लिए बिल मांगा तो कुछ देर बाद उसके हाथ में एक पत्र आया। पत्र में लिखा था– ''बिल का भुगतान बरसों पहले हो चुका है'' एक गिलास दूध।'' नीचे हस्ताक्षर थे– आपका दूधवाला बच्चा, जो आज डॉक्टर है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. इलाज की विधियों को लेकर परिवार में जो घमासान मचा हुआ था, उससे विनोद परेशान हो गया। उसने सोचना शुरू कर दिया कि कोई दवा न ली जाए। वह कहने लगा कि घूमने से मेरा बुखार उतरता है। अंततः वह घूमने निकल जाता है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

'शब्द और 'कृति' दो अमोघ शक्तियां है। शब्द में सारी दुनिया को हिलाने की शक्ति होती है और कृति में स्मृति सुरक्षित रहती है। कस्तुरबा की निष्ठा कृति की नम्रता के साथ उपासना करके संतोष और जीवन सिद्धि में थी।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. अखबार में कल तेज बारिश होने की खबर छपी थी। जेल के पास नाले में तीन गरीब बच्चे बह गए और उनकी मृत्यु हो गई। लाशे मिल गई। कोशिश करने पर भी लाशों की पहचान नहीं की जा सकी। शायद वे गाना गाकर भीख मांगने वाले बच्चे थे।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

आंध्रवासियों का रहन–सहन साधारण है। स्त्रियां खुली साड़ी पहनती है। उन्हें अपने बालों को फूलों से सजानें का चाव है। पुरूष धोती पहनते है, पीछे लुंगी का छोर झंडी की तरह लहराता दिखाई देता है। वे काफी पीते हैं तथा इडली का नाश्ता करते है। वे समय के अनुसार स्वयं को ढालने में सक्षम है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. 'हम कहां जा रहे है' कविता के माध्यम से कवि यह करना चाहता है कि हम दिखावे की प्रवृत्तियों को उतार फेंके। पाश्चात्य सभ्यता और संस्कृति का अंधानुकरण करके हम अपनी पहचान खो रहे है। अतः हमें जरूरत है अपनी सभ्यता और संस्कृति को पहचानने का उसके गौरव को बढ़ाने का। हमारी भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति दुनिया में श्रेष्ठ है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कविवर निराला की रचना ' जागो फिर एक बार' ओजस्वी भाव से प्रभावित है। भारतीय संस्कृति के संदर्भ को एक वीर पुरूषों के मूल मंत्रों को कवि ने याद किया है। साथ ही नयी पीढ़ी को सचेतन होने की सलाह दी है तथा कर्तव्यों का निर्वाह उचित ढंग से करे एवं भारतीय दर्शन, धर्म, कला एवं आध्यात्मिक ग्रंथों से प्रेरणा लेने की बात कही।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. पुस्तकें प्रायः षड़यंत्रों का शिकार होती है। पुस्तकें तिरस्कृत एवं प्रतिबंधित षड़यंत्रों के कारण होती है। विशेष लेखकों की पुस्तकें जला दी जाती है। पुस्तकों के खिलाफ राजनीतिक, साहित्यिक, धार्मिक ओर भाषायी षड़यंत्र किए जाते हैं। कुछ धूर्त लोग ग्रंथों में अन्य वाक्यों को जोड़ देते हैं। कहीं–कहीं अनेक वाक्यों को छोड़ देते है।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

बल और बुद्धि में वही संबंध होता है जो देह और आंख का। बुद्धि कौशल के बिना बल का कुछ अर्थ नहीं और बल के अभाव में बुद्धि कौशल का कोई महत्व नहीं है। राजपूतों के पास बल था किन्तु बुद्धि नहीं। अतः उन्हें लगातार पराजय का सामना करना पड़ा। दारा में अतुलित शक्ति थी किन्तु औरंगजेब बुद्धि के बल पर शासक बन बैठा।

उपरोक्तानुसार सही लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत पद्यांश विश्व की शुभकामना मां से अवतरित किया गया है। इसके रचयिता बालकवि बैरागी है।

प्रसंग :– कवि ने मां के विराट व्यक्तित्व का अनुभूतिपूर्वक एवं भावात्मक वर्णन किया है।

व्याख्या :– कवि के अनुसार मां के विराट व्यक्तित्व में अनेक भावनाएं समाहित होती है। मां की भावनाओं में धरती जैसा धैर्य, आकाश के समान प्रकाश पुन्ज, अग्नि के समान तेज तथा वायु के समान तीव्र गति होती है। जल की गंभीरता भी मां में ही निहित है। मां जन्म देने वाली है। मां ममतामयी है, वह पूज्य है। उसमें विश्व कल्याण को चाहने की कामना भी है।

(1+1+2=4 अंक)

अथवा

पद्यांश की संदर्भ एवं प्रसंग सहित व्याख्या –

संदर्भः– प्रस्तुत दोहा रहिमन विलास पाठ से अवतरित किया गया है। इसके रचयिता कवि रहीम है।

प्रसंगः– प्रस्तुत दोहे में कवि ने कुसंगति से बचने की सलाह दी है।

व्याख्याः– कवि रहीम कहते है कि बुरी संगत करने के बाद यदि कुशलता चाहते हो तो यह संभव नहीं है। बुरी संगत तो चिंता का विषय है। समुद्र के किनारे लंकापति रावण रहता था जिससे समुद्र की महिमा भी प्रभावित हुई। भगवान राम को सेतु बनाकर रावण पर आक्रमण करना पड़ा। समुद्र को अब तक लांघा नहीं जा सकता था किन्तु रावण पर आक्रमण करने के लिए राम ने समुद्र को लांघा। फलतः समुद्र की महिमा कम हुई। समुद्र का पानी खारा हो गया।

विशेष – दोहा, छंद, नीतिकथन, ब्रज भाषा।

(1+1+1+1=4 अंक)

उत्तर 25. अपठित गद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. समय को व्यर्थ न गवाएं। थोड़े बहुत समय का उपयोग करना सीख जाए।

उत्तर 2. प्रत्येक सुंदर क्षण हमारे लिए सुंदर वस्तुएं लेकर आता है।

उत्तर 3. शीर्षक– समय का सदुपयोग, समय का महत्व।

उत्तर 4. अधिकांश लोग व्यर्थ की बातों में ही अपना समय व्यतीत कर देते हैं। समय निकल जाने के बाद उन्हें जीवन भर पछताना पड़ता है। यदि व्यक्ति थोड़े से समय का भी उपयोग करना सीख जाए तो उसे सफलता तथा सुंदर वस्तुएं प्राप्त हो सकती है।

(1+1+1+1=4 अंक)

उत्तर 26. अपठित पद्यांश के उत्तर –

उत्तर 1. दीवानों की अपनी एक हस्ती होती है। उनके साथ हर जगह मस्त का आलम होता है।

उत्तर 2. दीवानें जहां–जहां धूल उड़ाते हुए चलते हैं, वहां–वहां मस्ती का आलम भी साथ चलता है।

उत्तर 3. दीवानों की हस्ती/दीवानों की विशेषता।

उत्तर 4. दीवानों की हस्ती के साथ मस्ती का आलम जुड़ा रहता है। वे जहां कदम रखते हैं वहां उल्लास होता है। यहां कवि का जीवन के प्रति दृष्टिकोण भी व्यक्त हो रहा है।

(1+1+1+2=5 अंक)

उत्तर 27.

प्रति,

श्रीमान प्राचार्य महोदय,
शासकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय
धार (म.प्र.)

विषयः— स्थानांतरण प्रमाण पत्र प्रदान करने हेतु।

महोदय जी,

विनम्र निवेदन है कि मैं आपके विद्यालय का कक्षा 11वीं (विज्ञान संकाय) का छात्र हूँ। मेरे पिताजी का स्थानांतरण यहां से इन्दौर हो गया है। इस कारण मैं अपना अध्ययन इस विद्यालय में निरंतर नहीं रख सकता हूँ।

अतः मुझे शाला छोड़ने का प्रमाण पत्र प्रदान करने की कृपा करें। मैंने विद्यालय का शुल्क, पुस्तकें तथा अन्य वस्तुएं जमा कर दी हैं। प्रमाण पत्र संलग्न है।

धन्यवाद

दिनांक 22.06.2013

आपका आज्ञाकारी शिष्य

सुरेन्द्र कुमार जैन
कक्षा 11वीं

(1+3+2 = 5 अंक)

अथवा

26, मल्हार गंज, उज्जैन

दिनांक..........................

प्रिय विपिन,

अविरल स्नेह,

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि तुमने हाईस्कूल परीक्षा में प्रथम श्रेणी उत्तीर्ण होकर संस्था में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। तुम्हारी इस शानदार सफलता पर मैं तुम्हें हार्दिक बधाई देता हूँ और आशा करता हूँ कि आगामी

परीक्षाओं में भी तुम्हें ऐसी ही सफलता मिलती रहेगी। मेरी शुभकामनाएं तुम्हारे साथ है।

पूजनीय पिताजी तथा माताजी को मेरा प्रणाम, छोटों को स्नेह।

तुम्हारा मित्र

रमण

पता–

सेवा में,

श्री दीनदयाल सेन

6 चौक सर्राफा गली

बैरसिया, जिला भोपाल

(1+3+2 = 5 अंक)

उत्तर 28. निबंध–

पर्यावरण प्रदूषण

भूमिका :– वैज्ञानिकों की चिन्ता में दूषित वातावरण प्रदूषण का सदा लक्ष्य रहेगा। अस्वच्छ पर्यावरण इसकी शक्ति के आगे है झुके सब इसी से खतरे में पड़ा मानव जीवन।

पर्यावरण प्रदूषण एक गंभीर समस्या का रूप ले चुका है। इससे मानव समाज के जीवन–मरण का महत्वपूर्ण प्रश्न जुड़ गया है। हमारा दायित्व है कि समय रहते ही इस समस्या के समाधान के लिए आवश्यक कदम उठायें। यदि इसके लिए आवश्यक उपाय नहीं किये गये तो प्रदूषण युक्त इस वातावरण में मानव जाति का अस्तित्व संकट में पड़ सकता है। आज मनुष्य अपनी सुख सुविधा के लिए प्राकृतिक सम्पदाओं का अनुचित रूप से दोहन कर रहा है, जिसके परिणामस्वरूप ही प्रदूषण की समस्या सामने आई है।

प्रदूषण क्या है? :– सबसे पहले हमारे सामने यह प्रश्न आता है कि प्रदूषण क्या है? जिसने लोगों का जीना हराम कर दिया है। जलवायु व भूमि के भौतिक,

रासायनिक या जैविक गुणों में होने वाला कोई भी अवांछनीय परिवर्तन है, जो विकृति को जन्म देता है। एक और दुनिया तेजी से विकास कर रही है, जिन्दगी को सजाने–संवारने के नये तरीके ढूंढ रही है। दूसरी ओर वह तेजी से प्रदूषित होती जा रही है। इस प्रदूषण के कारण जीना दूभर होता जा रहा है। आज आसमान जहरीले धुएं से भरता जा रहा है। नदियों का पानी गंदा होता जा रहा है। सारी जलवायु, सारा वातावरण दूषित हो गया है। इसी वातावरण प्रदूषण का नाम है 'पॉल्यूशन'।

प्रदूषण के कारण :– इस समस्या के कारणों पर विचार से ज्ञात होता है कि अणु परमाणु विस्फोटों से फैलने वाली धूलों से वायुमण्डल और पृथ्वीमण्डल सभी विषाक्त हो रहे है जिससे रक्त कैंसर होता है। आज संपूर्ण विश्व तेजी से औद्योगीकरण की ओर बढ़ रहा है। परिणामस्वरूप पग–पग पर, गांव–गांव, नगर–नगर, कल कारखाने स्थापित होते जा रहे है। इन कारखानों से निकलने वाले सड़े गले पदार्थ, रासायनिक पदार्थ एवं गैसे सभी मिलकर प्रदूषण को भयानक बनाते जा रहे है। नदी, सरोवर, वायुमण्डल सभी दूषित होते जा रहे है। वृक्षों और वनों को काटकर बड़े–बड़े नगर बसाये जा रहे है, भवन और बांध बनाये जा रहे है, ये सब प्रदूषण के प्रमुख कारण है।

पर्यावरण प्रदूषण रोकने के उपाय :– सारा परिवेश विषाक्त हो गया है, सारी मानवता संकट में है। अनेक प्रकार की नई–नई बीमारियों का जन्म हो रहा है। इसे रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाना अनिवार्य है। प्रदूषण की समस्या वैसे तो विश्वव्यापी समस्यां है, लेकिन भारतीय प्रदूषण की कुछ अपनी विशिष्ट समस्याएं भी है। यहां प्रदूषण के बहुत बड़े अंश का दायित्व मशीनों और वैज्ञानिक प्रयोगों पर तो है, साथ ही हमारी निर्धनता और उससे उत्पन्न अस्वास्थ्यकर परिस्थितियों और आदतों पर भी है। एक ही घर में गाय, भैंस, मनुष्य जहां साथ रहते है, एक ही जलाशय में जहां मवेशियों को नहलाया जाता हो और वहीं से पीने का पानी लाया जाता है, वहां प्रदूषण को रोकना अति आवश्यक है।

वायु प्रदूषण को रोकने के लिए चिमनियों में फिल्टर लगाये जाये, जो प्रदूषणकारी तत्वों को वायुमण्डल में प्रविष्ट न होने दें। जल प्रदूषण को रोकने के लिए आवश्यक है कि जल स्त्रोंतों में गन्दे पानी को न डाला जाये तथा उद्योग धन्धों से निर्गत पानी को भूमिगत किया जाये। पर्यावरण संरक्षण के लिए वनों की रक्षा पर विशेष बल दिया जाना चाहिए। वन और वनस्पतियां वायुमण्डल से कार्बन–डाई–ऑक्साइड ग्रहण करते है व ऑक्सीजन छोड़ते है। वृक्ष पर्यावरण प्रदूषण को रोकने का सर्वोत्तम साधन है। अतः हम अधिक से अधिक वृक्ष लगाकर पर्यावरण प्रदूषण की हानियों से बच सकते है।

''यदि चाहते हो देश की सुरक्षा,
तो प्रकृति को सुरक्षित करना होगा।
यदि नहीं करते प्रदूषण से सुरक्षा,
तो कैसे हो पायेगी आत्मरक्षा।।

उपसंहार :– प्रदूषण के कारणों और स्वरूपों पर विस्तार से विचार करे तो सभी कुछ दूषित नजर आता है– हवा, पानी, पेड़, पौधे, अन्न। समय रहते यदि प्रदूषण की समस्या का समाधान नहीं किया गया तो भारत ही नहीं संपूर्ण विश्व का विनाश निश्चित है। भोपाल गैस काण्ड एक बड़ी चेतावनी है पर्यावरण की सुरक्षा सामाजिक एवं सामुहिक उत्तरदायित्व है, सभी लोगों और देश को चाहिए कि वह मनुष्य को सर्वनाश से बचाने के लिए पर्यावरण को स्वच्छ बनावें तथा ऐसा कार्य न करें जिससे प्रदूषण की समस्या बढ़े।

कुल 7 अंक

(ब) **रूपरेखा –**

विज्ञान के बढ़ते चरण

1. प्रस्तावना
2. विज्ञानः मनोरंजन के क्षे में
3. चिकित्सा के क्षेत्र में।

4. कृषि के क्षेत्र में।
5. आवागमन के क्षेत्र में।
6. अंतरिक्ष के क्षेत्र में।
7. अन्य क्षेत्रों में।
8. विज्ञान से हानि।
9. उपसंहार।

कुल 3 अंक

निर्देशः– निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – –